भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1204
उत्तर देने की तारीख-28/07/2025

दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में 'भगवद् गीता' को शामिल करना

†1204. प्रो. सौगत राय:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम में भगवद् गीता को शामिल करने का कोई प्रस्ताव है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त पाठ्यक्रम में डॉ. भीम राव अम्बेडकर और पेरियार से संबंधित पाठों को शामिल करने का कोई प्रस्ताव है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(**डॉ. सुकान्त मजूमदार**)

(क) से (घ): दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम 1922 के तहत स्थापित एक सांविधिक स्वायत्त संगठन है और इस अधिनियम, संविधियों एवं अध्यादेशों के अंतर्गत बनाए गए प्रावधानों द्वारा शासित है। पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप देने सहित प्रशासनिक और शैक्षणिक निर्णय विश्वविद्यालय द्वारा अपने सांविधिक निकायों जैसे कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद और न्यायालय के अनुमोदन से लिए जाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय सहित केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करने के लिए कई पहलें की हैं जिनके अंतर्गत भारत के महान दार्शनिकों और उनके दर्शन से सीखने का निरंतर प्रयास किया जाता है। भगवद् गीता के उपदेश आईकेएस अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें मानव जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति-2020 और स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा-2022 के हिस्से के रूप में भगवद् गीता पढ़ाया जाता है। भागवद् गीता का उपदेश कई अन्य प्रतिष्ठित उच्चतर शैक्षिक संस्थाओं (एचईआई) द्वारा भी पढ़ाया जाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने सूचित किया है कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर और पेरियार संबंधी अध्यायों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जो उनके बौद्धिक योगदान और दार्शनिक अनुभव को कवर करते हैं।

*****